प्रभु का दूसरा आगमन

हमारे स्वर्गीय पिता, जबकि हम आज रात्रि प्रभु यीशु के प्यारे नाम में आते हैं, हम बहुत ही प्रसन्न है जबकि हम इन पवित्र दिनों के निकट आ रहे हैं, इस बात को जानते हुए कि यह धरती पर सबसे महान दिनों को दर्शाते हैं। यह तब हुआ था जब कि उस अपने आप में पर्याप्त बलिदान को दिया गया था, जिससे कि भटके हुए वे बेचारे पापी स्वतंत्र हो सके, और इस महान आशा को प्राप्त करें जो कि हमारे ह्रदयो के भीटर आज रात्रि है, कि वह किसी दिन वापस आएगा। और आज रात्रि, इस पुलपीट के निकट आते हुए, और उस द्वार में से होकर आते हुए, मैं इस पुराने गीत को सुन रहा था, "पहले दस हज़ार वर्षों में बहुत ही महान रीती से, हमारा घर वापस आने का सप्ताह होगा," यह हमारे पास बहुत वर्षों पहले की यादों को वापस लेकर आता है, जब हम इस आराधनालय में उस सारे संसार भर की महान बेदारी के आरंभ होने के पहले मिले थे। और पिता परमेश्वर, हम बस उन विचारों को ह्रदय में बनाए रखते हैं।

2 और हमें अपने प्राण में अच्छा प्रतीत होता है इस बात को जानकर कि हम आज रात्रि फिर से उस पुराने तरीके की बेदारी को आरंभ करने के लिए वापस आए हैं जहां पर पापी करुणा के लिए पुकारते हैं जहां पर विश्वास में पिछड़े हुए परमेश्वर से फिर से अपने संबंध सुधार लेते हैं। और वो पवित्र आत्मा ही सभा में मुख्य व्यक्ति है, जो कि नियन्त्रण रखता है और राज्य करता है, और वचन के द्वारा हमें जीवन की रोटी तक लेकर आता है। और हम यह प्रार्थना करते हैं कि वह एक रात्रि के बाद दूसरी रात्रि इस बेदारी में हमारी सेवा टहल करेगा, जो आवश्यकता में है और बीमार है उनको चंगा करेगा, हर एक विश्वासी को शुद्ध करेगा, और उन हर एक प्रयासों के लिए जो कि हम करते हैं उनसे अपनी महिमा को लेगा। क्योंकि पिता परमेश्वर, यह केवल उसके नाम की महिमा करना और आदर करना है जिसको की करने के लिए हमने मांगा है। आमीन।

3 यह उस प्रतिज्ञा को पूरा करना है जो कि मैंने ग्यारह वर्ष पहले की थी। एक बहुत लंबे समय के बाद उस पर वापस आया हूं, परंतु आराधनालय में वापस बेदारी के लिए लौटना। और, अब, हम जानते हैं कि बेदारी के

लिए हमारा छोटा सा आराधनालय पर्याप्त नहीं है, परंतु हम बस यहां पर भर जाएंगे, और अगले कुछ रात्रियों के लिए परमेश्वर की महिमा के लिए, जितनी अच्छी तरह से हम कर सकते हैं हम इस बात को करेंगे।

4 और मुझे कलीसिया में सभा को करना अच्छा लगता है। बहुत से स्थान है, हमने उन्हें स्टेडियम में किया था, और बाहर खुले स्थानो में किया था, और कार्यक्षेत्रो में किया था, परंतु जब आप इसे कलीसिया में करते हैं तब कुछ भिन्न बात होती है। ऐसा प्रतीत होता है कि जब आप इसे कलीसिया में करते हैं तो यह और भी मधुरमय और भी निकटतम सहभागिता होती है। बाहर वहां कार्यक्षेत्रो में, सांसारिक स्थानों में, हम यहां पर होने के सौभाग्य के लिए आभारी है, परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि आप एक उदासीनता को पाते हैं, जैसे कि शैतानी सामर्थ करती है, जिसको कि आपको तोड़ना होता है इससे पहले कि बेदारी हमेशा आरंभ हो सके। और जब आप कलीसिया में आते हैं, यह वो स्थान होता है जहां पर परमेश्वर बात करता है, यह सभा करने के लिए उसके घर में आना होता है।

5 और अब हम आज रात्रि बहुत से पुराने चेहरों को देखकर आनंदित हुए हैं, जिन्हें बहुत वर्षों पहले देखा था जिनको कि मैं यहां आराधनालय में अपने सेवकाई के अंत में देखता हूं। भाई ग्राहम को यहां अंदर देख रहा हूं, और भाई कर्टिस को, और बहन एन्जी, और बहन जरटी यहां पर है, और भाई काक्स और बहन काक्स, और, ओह, मेरे प्रभु, आप में बहुत सारे लोग, बहन स्पेन्सर और भाई स्पेन्सर और आप सभी यहां पर है हम बहुत ही आनंदित है। मा, और श्रीमती स्लाटर, और भाई यहां पर है, बस आप लोगों का बड़ा झुंड अभी भी यहां पर है। आप में से कितने लोग, जब से हमने आरंभ किया था तब से यहां पर है, मेरा मतलब है, जब मैंने बेदारी को छोड़कर और बाहर गया था, तब से यहां पर है? आईए आपके हाथों को देखें। सारी कलीसिया में बस उन हाथों को देखें। यह बहुत अच्छी बात है।

6 अब हम... हम यह जानते हैं कि बेदारी केवल पवित्र आत्मा के द्वारा आती है। वही है वह व्यक्ति है जो कि बेदारी को लेकर आता है। और इसे हम स्वयं नहीं कर सकते हैं, हम केवल उस प्रयासों को कर सकते हैं; और परमेश्वर को उस प्रयास को आशीषित करना होता है, और हम यहां भरोसा करते हैं कि वह करेगा।

7 मैं अपने पत्नी को उस सड़क पर बता रहा था... मुझे आज रात्रि यह मौका तक भी नहीं मिल सका कि मैं अपने भोजन को कर लूं। मैं बहुत व्यस्त हूं। यह कल दोपहर दो बजे का समय था इससे पहले मैं कभी अपनी कमीज को पहनाता, कल प्रातः से लेकर जब से मैं सोकर उठा। यही वह समय था जब कि टेलीफोन आया था। और यह बस ठीक दो बजे का समय था जबकि मुझे डॉक्टर साम अडैर के यहां से एक आपातकालीन बुलावे के लिए जाना था, जो कि लुइसविले में रहते हैं। और जब... और तब बहुत सारे फोन आए थे, और पुराने योद्धा थे। एक जो कि अस्पताल में थे, कहा, "अच्छा, हमने एक समय–समय पर प्रतीक्षा की है, और यदि अधोलोक इस प्रतीक्षा करने की दुर्दशा से भी अधिक बुरा स्थान होता जबकि हम वहां पर जाते हैं।" और सैकड़ों सेवकों से बस एक चिल्लाहट और हर एक तरफ से एक रोना होता है।

8 और, मैं आपको बताता हूं हम उन सबसे अधिक महान दिनों में रह रहे हैं जिसे इस संसार ने कभी जाना है, उन सब से अधिक महान समयो में रह रहे हैं। और मैं लोगों के ह्रदयो में परमेश्वर को और अधिक चाहने की भूख को देखकर आनंदित हूं।

9 अब मैंने अपने ह्रदय पर इस बात को लिया है, यह प्रार्थना करते हुए कि यह परमेश्वर की इच्छा है। और, कुछ भी हो, वहां पर कुछ लोग पीछे की ओर खड़े हैं। मैं सोचता हूं... हमारे पास यहां पर एक—एक सीट है, एक छोटी सी बेंच है, मैं सोचता हूं कि किसी तरह से क्या हम इस बेंच को ठीक कर सकते हैं। कुछ महिलाएं... या कुछ और लोग, जो कि वहां पर पीछे की ओर खड़े हुए हैं, हम यह कर सकते हैं शायद... यहां पर, सोचता हूं कि उनमें से कुछ यहां या कुछ और बस चलकर आये और वहां उस बेंच पर बैठ जाये, जो कि यहां सामने की ओर है। शायद... भाई बेन, हम आपको यहाँ देखकर आनंदित हैं, पिछली बार जब मैंने आपको देखा था तो आप कुछ सप्ताह पहले सैन फरनान्ड़ो, कैलीफोर्निया में थे। और यदि आप यहां पर आने की सोचते हैं तो यहां पर स्थान है, आप—आप लोग जो कि वहां पीछे खड़े हुए हैं। और अब यदि आप आना चाहते हैं, इसलिए, आप जल्दी से आगे आ जाए। यहां मंच पर एक और सीट खाली है, और कुछ और स्थान यहां पर खाली है, और इन्हें वेदी के लिए ले लिया जाएगा। हम यह चाहते हैं कि आप जितने आरामदेह हो सकते हैं, आप हो।

10 और मैंने अपनी पत्नी को बताया था कि मैंने अपने आप से प्रतिज्ञा की है कि परमेश्वर की सहायता के द्वारा, मैं लंबी सभाये नहीं करना चाहता हूं, यदि प्रभु की इच्छा हुई, तो तीस मिनटों तक बोलना चाहता हूं। और यह अपने आप में एक आश्चर्यकर्म होगा, क्योंकि मैं—मैं बस बहुत जल्दी से आरंभ नहीं कर पाता हूं। और परंतु मुझे—मुझे बस कोशिश करना है, और क्योंकि... और फिर इस आने वाले समय में हम, कल रात्रि...

आज रात्रि मेरा विषय है: *प्रभु का दूसरा आगमन।*

11 और कल रात्रि प्रभु भोज की रात्रि है, और मैं पुराने नियम के दृष्टिकोण से *प्रभु भोज* पर बोलना चाहता हूं। और हम... कल रात्रि अधिकारी रूप से प्रभु भोज की रात्रि है, क्योंकि ये वो रात्रि है जब हमारा प्रभु पकड़वाया गया था। और अधिकारिक रूप से यह प्रभु भोज की रात्रि है। और सभाओं के बाद, कल रात्रि, नित्य रूप से प्रचार की सभा होगी, फिर उसके बाद हम प्रभु भोज लेंगे। और सभी को निमंत्रण है कि वे हमारे साथ में आए और—और इस महिमामय विषय में सहभागी हो जिसे हमारा प्रभु यीशु हमारे लिए छोड़ कर गया था।

12 और फिर अगली रात्रि, यदि प्रभु की इच्छा हुई, यह क्रूस पर चढ़ाए जाने की रात्रि है, मैं इसे एक भिन्न दृष्टिकोण से—से देखना चाहता हूं शायद इसे आप रेडियो पर भी सुनने जा रहे हैं, *क्रूस पर चढ़ाया जाना।*

और फिर शनिवार रात्रि, *दफनाया जाना है।*

13 रविवार प्रातः छः बजे, एक सूर्य उदय सभा होगी। और यदि उनमें से कोई है जिनको कि बपतिस्मा दिया जाना है, दस बजे बपतिस्मा की सभा होनी है। और फिर प्रातः ईस्टर का संदेश होगा।

14 और रविवार रात्रि, यदि प्रभु ने चाहा, हम *पुनरुत्थान का प्रमाण* के ऊपर एक छोटे से संदेश की अपेक्षा कर रहे हैं, और चंगाई की सभा की। यह नियमित रूप से की जाने वाली चंगाई सभा है जो कि उस—उस नियमित रूप से सभाओं में होती है, जो आने वाले रविवार की रात्रि को होगी। और यदि आपने इसे कभी नहीं देखा है, और आपके मित्रों ने कभी भी जी उठे यीशु के प्रत्यक्ष प्रमाण को नहीं देखा है, तो मैं आशा करता हूं कि वैसा ही करेगा जैसे कि उसने पिछले वर्षों में सभाओं में किया है, ठीक यहीं पर प्रगट होता है और उन्हीं चीजो को करता है जो कि उसने तब की

थी जब वह इस धरती पर था। और हम उस समय के आने की बाट जोह रहे हैं... आगमन के लिए... आगमन के लिए।

15 यह ठीक बात है, सीधे आगे की ओर आ जाए और अपने आप को जितना अधिक आरामदेह आप बना सकते हैं आप बना ले। और मैं सोचता हूं कि हो सकता है कल रात्रि हम कुछ कुर्सियों को कहीं से लेकर आ सकते है। हो सकता है वहां उस—उस अंतिम संस्कार के बैठकखाने से या जहां से हम कुछ अतिरिक्त कुर्सियां मिल जाए, हो सकता है उन्हें किनारों पर लगा दिया जाए। हम चाहते हैं कि हर एक जन जितना अधिक आरामदेह वह हो सकता है, वह हो।

16 आप में से कितने प्रभु यीशु को अपने संपूर्ण मन से प्रेम करते हैं? अब आइए बस अपने स्नेह को मसीह की ओर करें और बस अब देखें। हम यहां पर मत–सिद्धांतों के लिए नहीं है, हम यहां पर प्रभु की आराधना करने के लिए है। और हम यहां पर केवल इसलिए है कि हर एक मत, रंग, हर एक जाति के लोगों को आमंत्रित करें, यहाँ इससे बस कोई फर्क नहीं पड़ता है, हम बस प्रभु की आराधना करने के लिए आ रहे हैं, और आधे घंटे तक पुराने तरीके का गीत गाना होगा और—और यह सभा आरंभ होने के पहले होगा। और, अब कल रात्रि मैं आज रात्रि की तरह से आरंभ करने की कोशिश करूंगा, यदि संभव हुआ तो ठीक आठ बजे, और जितनी जल्दी हम आप को छोड़ सकते हैं, हम आपको छोड़ेंगे ताकि हम अगली रात्रि वापस आ सके।

17 और, अब, सभी का स्वागत है। और, हमारे अतिथि, आपका यहां पर आकर, सहभागिता करने के लिए स्वागत है और जैसे ही सभा समाप्त होती है, आप इस कलीसिया के लोग जो कि यहां पर आते हैं, आप इस बात को देखें कि आप उस हर एक जन से हाथ मिलाए जिससे कि आप संभवत: हाथ मिला सकते हैं। बस... बस बाड़ो को अब नीचे गिरा दे, और तब आपके पास एक अद्भुत समय होगा। और आप यह नहीं जानते हैं कि प्रभु क्या कर सकता है, यह ईस्टर का समय है और हम बस महान बातों के घटित होने की अपेक्षा कर रहे हैं।

18 अब, आशीषित वचन में, मैं केवल एक—एक पद, या, एक या दो पंक्ति को, संत लूका के सुसमाचार से पढ़ूंगा, और उसका 15वा अध्याय और उसके आठवे पद से:

या कौन ऐसी स्त्री होगी, जिसके पास दस सिक्के हो, और उनमें *से एक खो जाए,* तो *वह दिया बारकर और घर झाड़ बुहार कर* जब तक *मिल ना जाए, जी लगाकर* खोजती *ना रहे?*

और जब मिल जाता *है, तो वह अपने सखियों और पड़ोसिनियों को इकट्ठा करके कहती है, कि मेरे साथ आनंद करो; क्योंकि मेरा खोया हुआ सिक्का मिल गया है।*

19 अब, मसीह के आगमन के लिए यह बहुत विचित्र सा वचन प्रतीत हो सकता है, और... लेकिन यह मसीह के दूसरे आगमन के विषय में बोल रहा है। और यह महान विषय जो कि हमारे सामने अब है, जो संपूर्ण पवित्र शास्त्र में सबसे महत्वपूर्ण विषयो में से एक है। प्रभु यीशु के आगमन से ज्यादा महत्वपूर्ण कोई भी और विषय नहीं है। क्योंकि यदि वह नहीं आता है, हमें झूठे गवाहों की तरह से जाना जाएगा, हमारे मरे हुए लोग जो कि कब्र में है, वे नाश हो जाएंगे, और हमारे लिए कोई आशा नहीं बची है यदि यीशु मसीह प्रत्यक्ष रूप से दूसरी बार नहीं आता है। और उस... यह दृष्टिकोण, दूसरे आगमन के उसी दृष्टिकोण से, यह बहुत अधिक महत्वपूर्ण था, कि इस पवित्र सप्ताह में जब हम निकट पहुँच रहे हैं, कि यीशु, जब वह इस पवित्र सप्ताह के निकट पहली बार उसी क्रूस के छाया के निकट पहुँच रहा था, उसने अपने मृत्यु, दफनाए जाने और पुनरुत्थान के विषय में बहुत ही थोडा बोला। उसने अपनी मृत्यु, दफनाए जाने और पुनरुत्थान की तुलना में अपने दूसरे आगमन के ऊपर ज्यादा बोला। सो इस बात के दृष्टिकोण से, यह अवश्य ही बहुत अधिक महत्वपूर्ण विषय होगा।

20 पुराने नियम में, वहां पुराने नियम में उससे कही गुना अधिक वचन है मसीह के पहले आगमन की तुलना में मसीह के दूसरे आगमन से संबंधित ज्यादा वचन में उल्लेख थे। मनुष्य जाति के लिए हर एक बात, अब इसके बाद जबकि प्रायश्चिता को किया जा चुका है, जो दृढ़तापूर्वक मसीह के दूसरे आगमन के ऊपर निर्भर है।

21 अब, हमारे पास विभिन्न धर्म है, और हमारे पास विभिन्न उद्देश्य और विभिन्न धर्मशास्त्र ज्ञान है, लेकिन हमारा मसीही धर्म दृढ़तापूर्वक मृत्यु, दफनाया जाना और पुनरुत्थान पर और प्रभु के दूसरे आगमन के ऊपर आधारित है। ओह, यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। और जैसे–जैसे हम उस बात की ओर पहुँच रहे हैं, मेरे सबसे सच्चे विचारों के द्वारा, हम उसके दूसरे

आगमन की उसी परछाइयों में रह रहे हैं। वहां पर, वचन के दृष्टिकोण से यह मेरे देखने का एक तरीका है, वहां कलीसिया के लिए प्रभु के दूसरे आगमन के सिवाय कोई भी आशा नहीं बची है। संसार उसके जंगली कोलाहल की परिस्थिति में पूर्ण रूप से नियंत्रण से बाहर हो चूकी है, इस संसार में मनुष्य के द्वारा बनाई गई हर एक संस्था से। वे राजा और अधिक अपनी प्रजा का नियंत्रण नहीं कर सकते है, ना ही तानाशाह अपनी प्रजा का नियंत्रण नहीं कर सकते हैं, प्रजातन्त्र और अधिक अपनी प्रजा का नियंत्रण नहीं कर सकती है और सिवाएं प्रभु यीशु के दूसरे आगमन के कोई भी आशा बाकी नहीं रह गयी हैं।

22 और ये अब अविश्वासी और पापी के लिए सबसे भयानक समयो में से एक भयानक समय है, जो अब तक की कभी गवाही दी गई, क्योंकि महाविनाश का समय नजदीक है। और यह विश्वासी के लिए सबसे आशीषित समय है, क्योंकि उसका छुटकारा निकट है। आज रात धरती पर दो गुट है, विश्वासी और अविश्वासी। एक को प्रभु लेने आ रहा है, और दूसरे को प्रभु दोषी ठहराने के लिए आ रहा है। उसके आगमन पर, उसके प्रगट होने पर, एक को आशीषित करेगा और दूसरे को श्राप देगा।

23 और ऐसा होने पर यह क्या ही महत्वपूर्ण बात है, मैं सोचता हूं कि... संध्या से पहले, मेरा मतलब हमारी इस छोटी सी बेदारी की संध्या के ठीक पहले, हमें दृढ़तापूर्वक से दखना चाहिए, और वचनों के अंदर, और यह देखें कि हम कितने नजदीक है। यदि मैं यह जानना चाहूं कि क्या समय हुआ है, मैं अपनी घड़ी को देखूंगा। यदि मैं यह जानना चाहूं कि सप्ताह के किस दिन में, या वर्ष के किस महीने में हम रह रहे हैं, मैं कैलेंडर की ओर देखूंगा। और यदि मैं इस बड़ी घटना के निकट आते हुए समय को जानना चाहता हूं, मैं परमेश्वर के वचन की ओर देखूंगा, यह समय को बताता है, जब यह नजदीक होता है। क्योंकि बाइबल ने कहा, "जब यह बातें घटित होना आरंभ हो, अपने सिर को उठाओ, तुम्हारा छुटकारा निकट है।" समय नजदीक है।

24 यह यूहन्ना जो प्रकाशन देने वाला था, उसके लिए क्या ही महान बात थी, जो उस पतमुस नामक टापु पर था, जब उसने प्रभु के आगमन के पूर्व दर्शन को देखा था। जब उसने उन श्रापो को देखा था जो कि अविश्वासी ऊपर आते हैं, और उन आशिषो को जो कि विश्वासी के ऊपर आती

हैं, वह चिल्ला उठा, "हे प्रभु यीशु आ!" उसका हृदय उन सभी चीजों को देखकर इतना अधिक रोमांचित हुआ, उन घटनाओं को देखकर जो कि उसके आगमन से पहले घटित होनी है, देखकर वह चिल्ला उठा, "हे प्रभु यीशु आ!" और जब संपूर्ण कलीसिया काल को उसके सामने दिखाया गया, और उसने हर एक बात को एक बड़े रूप में देखा, उस प्रकार से जिस प्रकार से उसे घटित होगा, तब वह चिल्ला उठा, "प्रभु यीशु आ!" यह अवश्य ही एक महिमामय बात होगी जब प्रभु का आगमन नजदीक आता है।

25 यीशु, जब उसके चेले एक ऐसे स्थान पर पहुंच गए जब वे शारीरिक बातों की ओर देख रहे थे या इस धरती की स्वाभाविक वस्तुओं की ओर देखने लगे। अब, हम यहां पर कुछ मिनटों के लिए रुकना चाहते हैं। ये हमेशा शारीरिक नहीं होना है जो कि हमको खींच के दूर ले जाता है, कभी–कभी स्वाभाविक चीजें होती है जो कि हम को खींच के दूर ले जाती है। यीशु के सेवक, या उसके चेले उसको उस शहर के मंदिर यरूशलेम की ओर इशारा करके दिखा रहे थे, वह बड़ा मंदिर जहां पर परमेश्वर अपनी तेजोमय महिमा में परम पवित्र स्थान में प्रगट हुआ था। और जब उन्होंने उसे बताया कि पत्थरों को कितनी अच्छी तरह से लगाया गया था, किस प्रकार से परमेश्वर के उस सर्वोतम मस्तिष्क ने इस बात को पहले से ठहराया था कि इन पत्थरों को संसार के बहुत से स्थानों में काटा गया था और उन्हें एक साथ रखा गया था। और इसे खड़ा करने के चालीस वर्षों के समय में, वहां छेनी की कोई भी आवाज भी ना आई या हथौड़ी की आवाज तक भी नहीं आई। इनको बहुत ही कौशल पूर्वक एक साथ जोड़ा गया। और किस प्रकार से परमेश्वर करूबो के ऊपर आया था और इस बात ने उसकी तेजोमय महिमा को प्रगट किया था, और किस प्रकार से इस महान कलीसिया में उनको एक महान आशा थी।

26 और यीशु ने उन्हें बताया था, "इन सभी बातों को न देखो।" फिर भी ये पवित्र स्थान था, यह एक अच्छा स्थान था। ये एक स्थान था, जो प्रभु के निवास का घर था। परंतु यीशु ने कहा, "इन बातों को ना देखो। मेरे पास आपको बताने के लिए कुछ है जो कि इस बात से बहुत बढ़कर बात है। क्योंकि एक समय आ रहा है।" उसने कहा, "पत्थर पर पत्थर भी बाकी नहीं रहेगा।"

27 इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि हम अपनी भौतिक देह की कितनी अच्छी तरह से देखभाल करे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कि हम अपनी संस्था के लिए कितनी मेहनत करते हो, कि हम अपनी कलीसिया में हमारे—हमारे कलीसिया की व्यवस्था के लिए कितनी मेहनत करते हो, एक समय ऐसा आ रहा है जब यह सब चीजें लुप्त हो जाएगी और टल जाएगी।

यीशु ने उनको यह बताना आरंभ किया, और उन्होंने कहा, "संसार के आने वाले अन्त का क्या चिन्ह होगा? "

28 और यीशु ने उनसे कहना आरंभ किया, "एक समय आएगा जब पत्थर पर पत्थर बाकी ना रहेगा। तुम लड़ाईयो और लड़ाईयो की चर्चा सुनोगे, जगह–जगह भूईडोल होंगे और महामारीयां आएगी।"

29 और एक दिन की बात है, ओकलैंड कैलिफोर्निया में, जब हमको यह सौभाग्य मिला कि एक कि हम एक सभा में रहे, और ऐसा पहली बार हुआ था जब मेरी पत्नी कभी एक भूकंप में रही थी। मैं एक नाई की दुकान में बैठा हुआ था, और मैं... कमरा बस थोड़ा सा हिलने लगा। और रेडियो से तुरंत ही घोषित किया, "एक भूकंप आ रहा है।" कहा, "वे लगभग आठ मिनट में एक और भूकंप के होने की अपेक्षा कर रहे हैं।"

और मैंने सोचा, "ओह, क्या हो यदि यह एक अंतिम भूकंप हो।"

30 मैं नाई की दुकान से जल्दी से निकला, अपनी पत्नी से मिला जो कि सड़क पर प्रतीक्षा कर रही थी, एक छोटे से दवाखाने में गया कि हमारे प्रियजनों को भेजने के लिए छोटे से तस्वीर वाले कार्डो को ले सकूं। और जब हम वहां पर थे, उन सबसे रहस्यमयी में से एक, सभी अनुभवों में सबसे अनोखा अनुभव था जिसको कि मनुष्य कभी महसूस कर सकता है, सारी धरती कांपने लगी। बोतले अलमारी पर से गिरने लगी, चिमनीया ईमारतों के ऊपर से गिरने लगी, और सड़कों पर गिरने लगी, लोग भागने लगे, और लोग चिल्लाने और चीखने लगे, जब दीवारों पर से प्लास्टर गिरने लगा। और बड़ी इमारतें जिनकी तीस और चालीस मंजिले थी, एक साथ हिलने लगी इतना तक कि गारे से धुंआ और धूल एक बड़े मुशरूम की तरह ऊपर की ओर उठने लगा। और लोग चिल्लाने लगे और भागने लगे। मैंने कहा, "यह सर्वशक्तिमान परमेश्वर की उंगली है, जो कह रहा है, 'दीवार पर हस्तलेख है।'"

31 यीशु ने कहा, "जब तुम जगह–जगह भुईडोलों की चर्चा सुनो।" धरती पर बहुत दूर तक मुख्य सड़क लगभग पांच फुट तक फट गई, और ऐसा नीचे सैकड़ो फुट तक होता गया। एक स्थान पर, पूरी मुख्य सड़क नीचे धंस गई। और जैसे ही वह फट कर खुल गयी मैंने सोचा, मैं बस लगभग सर्वशक्तिमान परमेश्वर की उंगली को देख सकता था, कहते हुए, "और जगह–जगह भूईडोल होंगे।"

32 जबकि दिन निकल रहा था, आठ विभिन्न भूकंपो ने उस शहर को हिला दिया। और बीयर की दुकानें खुली रही, और शराबी सड़कों पर भीड़ करने लगे। और स्त्रियां आधे कपड़े पहनी हुई सड़कों पर चलने लगी, और वो सब कुछ वैसे ही होने लगा जैसे कि कभी कुछ हुआ ही न हो। लोग इतना अधिक आज धरती से बंध चूके हैं इतना तक कि मैं इस बात को नहीं जानता कि इस देश को हिलाने के लिए किस बात की आवश्यकता पड़ेगी। वे बस इतने अधिक बेपरवाह प्रतीत होते हैं। वे ध्यान भी नहीं देते हैं। और एक व्यक्ति ने यहां तक कि एक टिप्पणी को किया, जब कि मैंने उसे अपनी आंखों से सुना, कहा, "क्या आपने देखा मैंने क्या किया? मैंने अपनी मुट्ठी को हिलाया। मैं सुपरमैन हूं।"

और मैंने सोचा, "यह क्या ही परमेश्वर के प्रति निंदनीय बात है।"

33 मैंने परमेश्वर की निंदा के विषय इतना अधिक कभी भी नहीं सोचा जितना कि मैंने तब देखा जो ठीक हमारे अपने शहर में की गयी, जब मैं मुख्यसड़क पर वहां कल शाम जार्जटाऊन पर जा रहा था, जब कि आप उन हिस्सों को यहां पर पार करते हैं इससे पहले कि आप उस नई मुख्य सड़क पर पहुंचे। वहां पर एक बड़ा बोर्ड लगा हुआ था, और उस पर लिखा था, "वह जी उठा है, उसके पास जीवन है।" और ठीक बाद वाला अगला बोर्ड, वे दो अकेले बोर्ड कह रहे थे, "जहां पर बडवाईसर बीयर है, वहीं पर जीवन है।"

34 मैंने सोचा, "यह कितनी अधिक परमेश्वर के प्रति निंदनीय बात है!" इस बात के विषय में यही सब कुछ है। और बाईबल कहती है, "मसीह के दूसरे आगमन से पहले, मनुष्य परमेश्वर की निंदा करने वाले होंगे, अपनी ही अधर्मी लालसा पर चलने वाले, क्षमारहित, झुठा दोष लगाने वाले होंगे।" किस प्रकार से संसार इतना अधिक भ्रम में आ गया है!

35 बंबई भारत में, अभी हाल में जब मेरा पुत्र बिली और मैं वहां पर एक

बड़ी सभा में थे जहां पर दसयों हजारों हिंदुओं ने अपना जीवन मसीह को दे दिया, वहां पर एक बड़ी चेतावनी आई। और मैं यह चाहता हूं कि आप प्रकृति की बुद्धिमत्ता को देखें। और, अचानक किसी अज्ञात कारण से, शहर की सारे पक्षी छोड़कर बाहर देश की ओर जाने लगे। और पक्षीयों का जमघट छोड़कर बाहर देश की ओर जाने लगे। और उन्होंने सभी गाय बैल और भेड़ और बैलों की ओर ध्यान देना आरंभ किया। लेकिन भारत में, उनके बाड़े हमारे बाड़ों की तरह से नहीं होते हैं, उनके बाड़े लकड़ी के नहीं होते हैं, वे बड़े–बड़े पत्थरो से बहुत ऊंचे बनाए जाते हैं। और वे सारे गाय बैलों ने दीवारों से दूर जाना आरंभ कर दिया और इमारतों से दूर जाना आरंभ कर दिया, और मैदानों के बीच में चले गए और मैदान के बीच में चारों ओर चक्कर काटने लगे। फिर अचानक एक बहुत बड़ा भूकंप आया और दीवारों को, पेड़ों को, चट्टानों को गिरा दिया, मिसाइले उड़ गयी। और पक्षी कभी लौटकर नहीं आये, और पशु बाहर मैदान में ही रुके रहे, और मनुष्य यह सोचते हुए आगे बढ़ता गया कि सब कुछ ठीक–ठाक है। और अगले दिन एक और भूकंप का झटका आया, और भी इमारतें उलट–पलट गई और मिसाइले उड़ गयी। और तीसरे दिन पर गाय बैल दीवारों के पास चले गए और पक्षी शहर को वापस लौट आये।

36 ओह, वह जो कि गौरयो को भोजन खिलाता है, वह जो उसके छोटे–छोटे सृष्टियों को जहाज के अंदर लेकर आया, अभी भी जीवता है और राज्य करता है। और ऐसा दिखाई देता है कि उनके पास मनुष्य की तुलना में परमेश्वर को जानने के लिए ज्यादा बुद्धि है, जिसे उसने अपने स्वरूप में बनाया; जबकि मनुष्य परमेश्वर की निंदा करता है। धरती की छोटी–छोटी सृष्टि, परमेश्वर उनके लिए प्रदान करता है, और उन्होंने उन दीवारों से दूर अपने लिए मार्ग को बना लिया। वे मारे गए होते, चट्टानों की दरारों में वे पक्षी पीस गये होते जब ये चट्टाने इधर–उधर हिल रही थी।

37 उसके आगमन के चिन्ह! ओह, ये एक महान दिन है जिसमें अब हम रह रहे है। जगह–जगह भुईडोल आ रहे हैं, महामारीयां आ रही है, वे सब बातें हो रही है, जिसके विषय में यीशु ने यहां पर बोला है। इसे मेरे देखने के तरीके से, मैं प्रभु के आगमन के अलावा अब कुछ भी नहीं देखता हूं कि कोई और बात शेष है। वह नजदीक है।

38 यीशु ने... लोगों को अपने संबोधन में, उसने कहा, "तुम अंजीर के

पेड़ के दृष्टांत से सिखो। जब उसकी डाली कोमल हो जाती है, और पत्ते निकलने लगते हैं, तो तुम जान लेते हो कि ग्रीष्म काल निकट है। इसी रीति से जब तुम इन बातों को देखो, तो जान लो वह समय निकट है।"

39 ध्यान दें, अंजीर का पेड़ क्या था। अंजीर का पेड़ हमेशा से ही यहूदी राष्ट्र रहा है। उसने केवल "अंजीर का पेड़," नहीं कहा लेकिन "दूसरे पेड़" भी कहा। "जब तुम अंजीर के पेड़ को और दूसरे पेड़ पर कलियों को लगता देखो।" अब, उसने केवल अंजीर के पेड़ के विषय में बोला था, परंतु दूसरे पेडो के विषय में भी कहा।

40 अब, आईए बस ध्यान दें कि उसमें कलियां कब लगती है। हम पिछले कुछ वर्षों से बहुत ही विचित्र समय में रहे हैं। अन्यजाति की कलीसिया के पास एक ऐसी सबसे महान बेदारी हुई है जो इससे पहले कभी नहीं हुई... प्रेरितों के दिनों के बाद से; ओह, अन्यजाति की कलीसिया के पास उस वक्त बेदारी नहीं हुई, यह तो यहूदी कलीसिया थी जिसकी बेदारी हुई थी। लेकिन अन्यजाति की कलीसिया, पिछले दस या बारह वर्षों में, उसके इतिहास में सबसे बड़ी बेदारी हुई थी।

41 हम मार्टिन लूथर की बेदारी के विषय में सोच रहे हैं, जी हां श्रीमान, यह एक महान थी, परंतु यह केचल जर्मनी में ही हुई थी। हम वेसली की बेदारी के विषय में सोच रहे हैं जो कि इंग्लैंड में हुई थी, यह यहां पर और कुछ ब्रिटिश टापुओं पर फैल गई, परंतु उसने कभी भी बहुत जोर नहीं पकड़ा। लेकिन इस दिन में, यह बेदारी जो की हो रही है, जो कि अलौकिक है, जो पूरी तरह से इस समुद्र से लेकर सीमाहीन समुंद्र तक फैल गई, सारे संसार भर में, बड़े –बड़े रेडियो और पत्रिकाओं, और उन सुसमाचार प्रचारकों के जरिये से चली गयी, जो कि मनुष्य जाति के द्वारा बिना प्रायोजित किए थी, और एक ऐसी बेदारी को लेकर आए जिसने कि दस हजारो गुना हजारों (प्राणों को) परमेश्वर के राज्य के अंदर जन्म दिया।

42 मेरी अपनी दुर्बल सेवकाई में जिसे प्रभु ने मुझे दी है, मैंने दस लाख से ज्यादा प्राणों को परमेश्वर के राज्य में आते हुए देखा है। इस पर सोचे! जब दूसरे इन महान सेवकाईयो के साथ, जिन्होंने रेडियो के द्वारा और इत्यादि चीजों के द्वारा फैलाया है, उन लाखों के लिए। बेदारी की अग्नि इस संसार के हर एक पहाडी पर जलती है, वास्तविक रूप में जब से मैं... दस वर्ष पहले से, जब से मैं... हमने बेदारी में आरंभ किया है। हम अंत समय पर

हैं।

43 अब ध्यान दें, फिर इस बात के ठीक पहले, उसने यहां पर भविष्यवाणी की, और कहा, "और यरूशलेम की दीवारों को अन्य जातियों के द्वारा रौंदा जाएगा जब तक अन्य जातियों का समय पूरा ना हो जाए।" मुसलमानों ने उसको ले कब्ज़ा कर के रखा है। हम इस बात को समझते है। और आज रात्रि मैं यह चाहता हूं कि आप इस संकट को देखें, कैसे इसहाक और इश्माएल अभी भी एक दूसरे की गर्दन पकड़े हुए हैं, ठीक यरूशलेम में जहां पर इसके घटित होने की भविष्यवाणी हुई है। और कुछ वर्षों पहले पुरे यरूशलेम में मुश्किल से ही कोई यहूदी लोग थे।

44 अब, यीशु कह रहा है, "जब तुम अंजीर के पेड में इसके कलियों को आते देखो।" अब, यहूदी सारे संसार भर में तितर–बितर हो गए थे, बड़ी संख्या में, जर्मनी में लाखों, और ईटली में, और संयुक्त राष्ट्र में, और सारे संसार भर में। और परमेश्वर, जैसा कि उसने पहले के दिनों में किया था, फिरौन के ह्रदय को कठोर कर दिया था, उसने मुसलोनी के ह्रदय को यहूदियों के प्रति कठोर कर दिया, और यहूदियों को ईटली से बाहर निकाल दिया गया था। उसने हिटलर के ह्रदय को कठोर कर दिया, और उन्हें जर्मनी से बाहर निकाल दिया गया था। उसने स्टैलिन के ह्रदय को कठोर कर दिया, और उन्हें रूस से बाहर निकाल दिया गया था।

45 और क्या आपने अखबार पर ध्यान दिया, कि हम, जो संयुक्त राष्ट्र है अरब का साथ दे रहे हैं? ओह, भाई, दीवार पर हस्तलेख है! परमेश्वर ने कहा, "जो कोई ईस्त्राइल को आशीष देगा वह आशीषित होगा, जो कोई ईस्त्राइल को श्राप देगा, वह शापित होगा।"

46 अब मेरे पास घर पर तस्वीरें हैं, या मैं सोचता हूं कि ये समय पर आधार है, जिसे वैज्ञानिको के द्वारा बताया जाता है, *मध्यरात्रि के होने में तीन मिनट शेष।* यदि वैज्ञानिक संसार ने कहता है "घड़ी घूम कर आती है जब मध्यरात्रि होने में तीन मिनट का समय शेष रह जाता है," और मैं सोचता हूं कि उन्होंने इसे कम करके अब मध्यरात्रि होने में एक मिनट तक शेष कर दिया है, जब उन्होंने यह पता लगाया है कि हाईड्रोजन या ऑक्सीजन, अणु, और वे सभी बड़ी शक्तियो को वे काम में ला सकते हैं, यह संपूर्ण रूप से पांच मिनटों में नाश होने का कारण हो सकता हैं। वे आज रात्रि बिल्कुल ऐसा कर सकते हैं, सारे पूर्वी अमेरिका महाद्वीप में

तीस मिनटों में एक भी व्यक्ति जीवित नहीं रह सकता है। और यह ठीक नास्तिक झुण्ड के हाथो में रखा हुआ है जो हमसे घृणा करता है। और, उसके अलावा, हमारे पास नौकाए और जहाज तैयार है, जिन्हें हर कहीं स्थान पर रखा गया है, ओर दोनों तरफ से... साईबेरिया, हंगरी में, और विभिन्न जगहों पर लगाया जा चुका है, जहां पर हमारे जहाज उसी प्रकार की मिसाइलों से सुसज्जित होकर तैयार खड़े हैं।

47 भाइयों, जितना कि आप सोचते हैं, यह उससे भी जल्दी है! सदोम और अमोरा को उस रात्रि थोड़ा ही जानते थे, कि वे अपनी अंतिम घड़ी में रह रहे हैं। मिस्त्र इस बात को कम ही जानता था कि मृत्यु का दूत जिसके आने की भविष्यवाणी करी गई थी, उस रात्रि आ जाएगा। पर्ल बंदरगाह को उस होने वाले आक्रमण के विषय में थोड़ा सा ही अहसास था। हम तराजू में तौले गए और कम पाए गए! हम अंत समय के निकट है!

48 क्या होगा यदि... ? वे, ठीक मास्को में, इन मिसाइलों का निर्देशित कर सकते हैं, जिनका मार्गदर्शन सितारों और राडार के द्वारा होता है, वे उस बम को ठीक लुईसविले की चौथी सड़क पर डाल सकते हैं यदि वे चाहे तो। यह ठीक बात है। और हम कहीं तो अपने जहाजों पर समुद्र पर खड़े हो सकते हैं, और एक को ठीक मास्को की राजधानी की ओर निर्देशित कर सकते हैं यदि हम ऐसा करना चाहे तो। मेरे भाई, क्या होगा, यदि वह बड़ा मिसाईल का घूमना स्थान को लेता है और यह देश एक हिलावट को प्राप्त करेगा, उसी घड़ी हम उन्हीं चीजों को छोड़ेंगे और इससे दूसरी तरफ को हिला देंगे? और हर हालत में हम एक छोटे से, नन्हा, जरा से भूपटल पर रह रहे हैं, जब भूकंपो ने उसे चारों ओर से ख़त्म कर दिया है और इतना अधिक ख़त्म किया है इतना तक कि यह अंडे को खोखला करने की तरह कर रहा है। यदि यह एक बार बहुत जोर से फट जाता है और आठ हजार मील मोटा लावा हवा में उछलेगा, यह ठीक उसी बात को करेगा जो कि परमेश्वर ने कहा है कि ऐसा घटित होगा।

49 हम अंत समय पर हैं, हम यहां पर हैं। इसे रोकने का कोई तरीका नहीं है। सभी प्रकार की विंनती करना... हम हर एक देश में एक आईसेनहावर को रख सकते हैं, और यह इस बात को होने से कभी नहीं रोक पाएगा। यीशु मसीह ने कहा था कि ऐसा समय आएगा, हम यहां पर है। अंजीर के पेड़ पर इसकी कलियां लग रही है।

50 वहां दूर ईरान में, इस तस्वीर में, आप इसे *लुक* पत्रिका में पढ़ सकते हैं, कि कैसे उन्होंने बड़े जहाजों को लिया और वहां पर गए और इन यहूदियों को जहाजों में भरकर लेकर आए। वे वहां पर हजारों की संख्या में रह रहे थे, जब से वे दूर बाबुल बाहर निकले है वे वहां पर पच्चीस सौ वर्षो से है, और उन्हें वहां पर छोड़ दिया गया था। वे वहां पर पुराने लकड़ी के औजारों से हल जोत रहे थे। वे इस बात को नहीं जानते थे कि यीशु कभी इस धरती पर आया हुआ था। वे किसी बात के विषय में कुछ नहीं जानते थे सिवाय अपने पुराने यहूदी रीति रिवाज के, वे परंपराये जिनके सहारे वे जीवन को जी रहे थे। और जब वे जहाज नीचे आए, और यहूदियों को चढ़ाना आरंभ किया, ताकि उन्हें वापस उनके स्वदेश में लाया जाए...

51 भविष्यवक्ता ने अठाईस सौ या तीन हजार वर्षों पहले भविष्यवाणी की थी, और कहा था, "जब वे उस गुलामी से बाहर आएंगे, तो परमेश्वर उन्हें उकाब के पंखों पर लेकर आएगा।" भविष्यवक्ता ने देखा था कि जहाज आ रहा है, उसने देखा था कि वे नीचे उतर रहे हैं, और उन्हें उठा रहे हैं और वापस उन्हें स्वदेश में लेकर जा रहे हैं। वो यह नहीं जानता था कि उन्हें क्या कहा जाए, उसने बस... उसे यह उकाब की तरह दिखा, इसलिए उसने कहा, "उन्हें उकाब के पंखों पर लाया जाएगा।"

52 और जब वे उस हवाई जहाज से बाहर निकले, और युवा बूढ़ों की सहायता कर रहे थे, और उनका साक्षात्कार लिया गया। और उन्होंने कहा, "क्या आप स्वदेश मरने के लिए आए हैं? "

उन्होंने कहा, "नहीं। हम मसीहा को देखने के लिए वापस आए हैं!"

53 ओह, बड़े भाप के जहाज हर कहीं संसार भर से, पिछले कुछ वर्षों में, यरूशलेम में बूढ़े यहूदियों के साथ पहुंचे हैं, बूढ़े और युवा, अपनी पोशाकें पहने हुए हैं, वे पूर्व से आ रहे हैं, पश्चिम से आ रहे हैं। और यरूशलेम की राजधानी के ऊपर दाऊद का छह कोने वाला झंडा जो कि संसार का सबसे पुराना झंडा है, लहरा रहा है, वह पच्चीस सौ वर्षों से लहरा नहीं है, इसे आज रात्रि राष्ट्र घोषित किया गया है। अंजीर का पेड़ उसकी कलियों को लेकर आ रहा है।

यरूशलेम ऊपर आ रहा है, प्रभु लौटा रहा है,
वे चिन्ह जिसे भविष्यवक्ता ने पहले से ही बताए थे;

अन्य जातियों के दिन गिने हुए हैं, भय से भार ग्रस्त
है;
हे भटकने वाले, अपनों के पास लौट आ।

क्योंकि छुटकारे का दिन नजदीक आ रहा है,
मनुष्य के हृदय डर के मारे रुक रहे हैं;
परमेश्वर की आत्मा से भर जाओ, तुम्हारी बत्तियां को
दुरुस्त करो और साफ करो,
ऊपर की ओर देखो! तुम्हारा छुटकारा निकट आ रहा
है।

54 जितना कि हम सोचते हैं, यह बात उससे भी पहले होगी। हम कलीसिया में एक सीट को ग्रहण करने के लिए नहीं आते है, हम कलीसिया इसलिए नहीं आते है कि एक अच्छे उपदेश को सुने, या कलीसिया इसलिए नहीं आते हैं कि अच्छा संगीत सुने। वे सब अपनी जगह पर है, परंतु हमारे लिए अच्छा होगा कि कलीसिया में आकर परमेश्वर के सामने जांचे और अपने प्राण के उद्धार के लिए आये, क्योंकि छुटकारे का दिन निकट है।

55 यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र ने इस बात की तुलना (उसने कहा) एक महिला से की। और आज रात्रि हमारे विषय में हम यहां पाते हैं कि वो स्त्री, उसका पति चला गया था, और उसने अपनी पट्टी पर से एक सिक्के को खो दिया था। अब मैं उसे समझाने का यत्न करूंगा।

56 आज, यदि एक स्त्री विवाहित होती है, वहां विवाहित होने पर उसे विवाह की अंगूठी होनी चाहिए एक चिन्ह की नाई कि वो विवाहित है। यह दूसरे व्यक्ति को उससे किसी भी प्रकार के संबंध बनाने से रोकती है। वे देखते हैं और वे यह समझ जाते हैं कि वह एक विवाहित स्त्री है।

57 उन दिनों में, उसके पास विवाह की अंगूठी नहीं होती थी, उनके पास एक पट्टी होती थी (वे उसे "पट्टी" कहते थे) वे उसे सिर पर लगाते थे। उसमें दस सिक्के होते थे, और वह सिर के चारों ओर बंधी होती थी। और वो एक चिह्न होता था कि वे विवाहित स्त्रियां थी और कोई भी व्यक्ति उनके साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता था, कोई भी लड़का उनके साथ प्रेम का खिलवाड़ नहीं कर सकता था। वे विवाहित थी।

58 उनमें से हर एक सिक्का... यदि केवल हमारे पास समय होता (लेकिन मेरे पास नहीं है, मैं अपने शब्दों को जितना कम कर सकता हूं उतना

करूंगा), मैं आपको बता सकता कि उनमें से हर एक सिक्के का अर्थ क्या था। उनको वहां पर लगाया गया था, और हर एक सिक्का उस स्त्री के किसी निश्चित गुण को बताता था। पहले सिक्के का अर्थ था उसके पति के प्रति प्रेम। दूसरा, उसकी प्रतिज्ञा का गुण कि वह उसके लिए साफ जीवन को जीयेगी। और तीसरा और चौथा और पांचवां, आगे नवे और दसवे तक।

59 यदि आप इसे देखना चाहते हैं, गलतियों पांच में देखें। आप को यह पता चलेगा कि स्त्री कलीसिया को दर्शाती है, और कलीसिया मसीह की वह पत्नी है जिसकी मंगनी हो चुकी है। और वह पट्टी जिसको कि कलीसिया को पहनना है वह गलतियों पांच में पाया जाता है, जो कि प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, भलाई, नम्रता, सज्जनता, संयम है। यही वह पट्टी है जिसको कि कलीसिया में पहना जाना है, भाईचारे की प्रेम, दया, सहभागिता।

और यह स्त्री, जब यह... यह लगभग अंधेरे का समय रहा होगा जब उसको यह पता चला कि उसने उन सिक्कों में से एक को खो दिया है।

60 ओह, यदि कभी ऐसा समय रहा था जबकि कलीसिया को ढूंढना चाहिए यह पता लगाने के लिए कि क्या आपके पास सारे सिक्के लगे हुए हैं कि नहीं, तो वह समय अब है। अंधेरा हो रहा है। उस—उस नाश करने वाले रोजाना जीवन का वही डर और बादल धरती के ऊपर मंडरा रहा हैं, पाप और व्यभिचार हर तरफ है। हम एक भयंकर समय में रह रहे हैं, वहां जब दुष्टता है, लोग जो बस ढोंग करने के लिए कलीसिया जाते हैं, लोग जो कलीसिया जाते हैं अपनी नीचता को छुपाने का यत्न करने के लिए, लोग जो कलीसिया जाते हैं और मसीह होने का दावा करते हैं और संसार में बाकी लोगों की तरह से जीवन को व्यतीत करते हैं, शराब पीते हैं, सिगरेट पीते है, जुआ खेलते हैं; स्त्रियां अनैतिक वस्त्रों को पहनती है, उन वस्त्रो को पहनती हैं जिनको कि उन्हें उनके श्रृंगारकक्ष में—में नहीं पहनना चाहिए, बाहर सड़कों पर आम जानता के सामने पहनती है। और भाईचारे की प्रीति एक ऐसी चीज है जो कि लगभग समाप्त हो गई है। हमने *एक* सिक्के को नहीं खोया है, परंतु वास्तविक रूप में हमने उनमें से *हर* एक सिक्के को खो दिया है।

61 और रात्रि हो रही थी, और याद रहे, उसका पति वापस आने वाला था। और यदि उसने उसे बिना उस एक सिक्के के पाया, तब ये इस बात को दिखाता था कि उसको "एक वेश्या" के रूप में चिन्हित कर दिया गया है।

62 और यदि वो दूषित हुई थी, या उसने अपने आप को किसी प्रकार से दूषित किया है और यह लोगों के द्वारा देख लिया गया है, वे उसे याजक के पास लेकर आते थे और गवाह को लेकर आते थे कि उसको इस प्रकार से पाया गया है, और याजक इस बात को देखते हुए कि वह एक विवाहित स्त्री थी, सिक्के को उसकी (पट्टी पर से) निकाल लेता था जिसके कारण वह गलत पाई गयी थी। यदि उसने अपने नैतिक गुण को भंग किया था—था, वे उसको निकाल लेते थे। यदि वो खिलवाड़ करती है, तो यह दिखाती है कि वह अपने पति के प्रति सच्ची नहीं थी, वे उसको निकाल लेते थे। ये जो भी कुछ था, वे उसे बाहर निकाल लेते थे। और जब उसका पति वापस लौटकर आता था, तो वो यह पाता था कि उसे छाप लगाईं गई है, और वो उसे तुरंत तलाक दे दे देगा और उसका उस प्रकार की स्त्री से कुछ भी लेना देना नहीं होता था। उसे इस प्रकार की स्त्री की आवश्यकता नहीं थी।

सो साथ ही अंधेरा होने वाला था जब उसे यह पता चला कि उसने कुछ तो खो दिया है, पति के आने का समय हो गया है, और देर हो रही है।

63 अच्छा होगा कि कलीसिया हमारी शुद्धता को हमारी वफादारी को, हमारी भक्ति को खुद परमेश्वर के वचन से जांचे। हम बड–बड करने वाले, कथा कहानियों को सुनाने वाले, धूम्रपान करने वाले, चुगली करने वाले, चेहरा पुती हुई ईजाबेले बन गए हैं, सारी बात तारीखों में कि बाकी का संसार यह सब कुछ करता है, मसीही कलीसिया आज उन बातों के साथ सहभागिता कर रही है इतना तक की मुश्किल से ही आप एक दूसरे में फर्क को बता सकते हैं। ये समय है कि हमने सूचि को लिया। ये देर हो रही है।

64 अब, इस बात के लिए... ये बहुत ही देर हो गई थी इतना तक कि उसको दिया जलाना पड़ा। और उसने एक दिये को लियाा। ना ही केवल उसने दिये को लिया, लेकिन उसने झाड़ू को लिया और उसने घर को साफ करना आरंभ कर दिया।

65 ओह, भाई! यदि कभी एक ऐसे समय की आवश्यकता पड़ी कि दिए को जलाया जाए, सुसमाचार के प्रकाश को आगे भेजा जाए, जो कि पवित्र आत्मा का वापस कलीसिया में आना है... किसी भावना के लिए नहीं, किसी काल्पनिक बात के लिए नहीं, किसी भावावेश में आके उत्तेजित होने के लिए नहीं, आनंद से कूदने के लिए नहीं, लेकिन एक ह्रदय को जांचने

वाले अनुभव के लिए जब पुरुष और स्त्री परमेश्वर के साथ अपने मामले को ठीक कर लेते हैं। सही है। हम अंत समय पर है।

66 और उसने उजियाले के लिए दिए को जलाया। और भाई, यहां पर उपस्थित हर एक छोटे दिए को आज रात्रि जलाने की आवश्यकता है। केवल यही बात नहीं है, लेकिन उसने झाड़ू को लिया, और उसके पड़ोसी धूल को उड़ता हुए देख सकते थे। उसके पास एक वास्तविक घर की सफाई का समय था, क्योंकि उसका पति आने ही वाला था। और यदि वह उसे पाता है एक सिक्का निकला हुआ है, तो वह एक "वेश्या" कहलाएगी।

67 भाई, इन महान घड़ियों में जिनमें के हम रह रहे हैं, हम जो कि परमेश्वर की कलीसिया है, ये हमारे लिए उचित होगा कि हम जांचे, परमेश्वर के सामने जाकर, वचन के सुसमाचार के दिए को जलाये, और अपने आप को जांचे और यह पता लगाएं कि हमारे अंदर कोई कमी तो नहीं, और विशेष करके जब हम इन सब चीजों को आते हुए देखते हैं। हम अंत समय पर है, मसीह का आगमन निकट है। संसार में कलीसिया के लिए कोई और आशा नहीं है।

68 और, देखो, कलीसिया आराम कर रही है। कलीसिया के पास अब और सुध–बुध नहीं है। आप मुश्किल से ही उनको जगा सकते हैं। बाईबल ने कहा कि वे उस स्थिति में आ जाएंगे जब वे यह कहेंगे, "'देखो, प्रभु आगमन में देर करता है।' और वे एक दूसरे को निगल जाएंगे और काट खाएंगे, और इसी प्रकार की बातें होगी, और हर कहीं लड़ते फिरेंगे।" ये बिल्कुल ठीक वही घड़ी है। सब कुछ तैयार है। पन्नों को पलटा गया है, जैसा कि उस समय था, और ये तैयार है, प्रभु का आगमन होने वाला है।

69 लूथरन कलीसिया ने अपने उजियाले को खो दिया। मैथोडिस्ट कलीसिया ने अपने उजियाले को खो दिया। बैपटिस्ट कलीसिया ने अपने उजियाले को खो दिया। पेन्टीकोस्टल कलीसिया ने अपने उजियाले को खो दिया। हर एक उजियाला बुझ चुका है।

70 पेन्टीकोस्तल लोग, होलीनैस लोग, बिल्कुल मैथोडिस्ट की तरह से ही व्यवहार को कर रहे हैं। मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट की तरह से व्यवहार कर रहे हैं। बैपटिस्ट लोग लूथरनो की तरह से व्यवहार कर रहे हैं। लूथरन, कैथोलिक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। और यह सब वापस उस पाप के बड़े ढेर तक पहुंच चुका है। यह ठीक बात है। हम अंत समय पर है, प्रभु के

आगमन पर है।

71 अब, वह उसके लिए घर की सफाई करने का समय था। उसने फर्श को रगड़ा, उसने दीवारों को पोछा, उसने जालों को हटाया, वह करती रही जब तक उसे वह चीज ना मिल गई जो कि उसने खो दी थी। और, जब उसे यह मिल गया, उसने अपनी छोटी साथी कलीसियाओ को अब आने के लिए कहा।

72 मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूं कि आप मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पैन्टीकोस्ट, प्रेसबीटेरियन हो, आओ, हम मिलकर आनंद मनाएं। जब वह समय आता है, जब कलीसिया अपने भाईचारे की प्रीति को पा लेती है, जब कलीसिया अपने पवित्र चालचलन को पा लेती है, जब कलीसिया मसीह में अपने स्थान को पा लेती है, तो ये देह के दूसरे सदस्यों को बुलाएगी, "आओ, हमारे साथ आनंद मनाओ।" परमेश्वर ऐसी कलीसिया को चाहता है जो उससे प्रेम करे।

73 मैं यह विश्वास करता हूं कि यह रविवार की सुबह थी जब मैं स्त्रियों के सद्गुणों पर बोल रहा था, कितनी आशीषित बात है, कौन इससे अधिक मधुर बात को पा सकता है कि जब वह थका हुआ घर वापस आता है जब परमेश्वर ने मनुष्य को एक पत्नी दिया है। एक पुरुष और स्त्री ऐसे होते है, जो ना अलग हो सके, वे एक हैं। सृष्टि में, परमेश्वर ने पहले उन दोनों को एकसाथ बनाया, और वे ह्रदय, प्राण और मस्तिष्क और सभी चीजो में एक हैं। जब उसने मनुष्य को धरती की मिटटी में से बनाया, उसने उसकी पत्नी को उससे अलग किया। जब उसने हवा को बनाया, एक—एक स्त्री को बनाने के लिए उसने वहां पर जाकर, कुछ *और* मिट्टी को नहीं उठाया, लेकिन उसने आदम की पसली से निकालकर और उसके लिए एक पत्नी को बनाया। उसने कहा, "वह मेरी हड्डी में की हड्डी और मांस में की मांस है।" वे ह्रदय, प्राण और देह से एक थे।

74 ये मसीह की प्रतिछाया है। परमेश्वर ने मसीह की कलीसिया को किसी संप्रदाय से नहीं लिया, ना हीं उसने उसे किसी एक संस्था से लिया। उसने उसे मसीहा के ह्रदय से लिया, उस भाले को उसके बगल में डाला गया, उस लहू के जरिये से लिया।

75 मेरे भाईयो, बहनो, मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूं कि आप कितने भी धार्मिक हो सकते हैं, यदि आप लहु के द्वारा नहीं ढाके गए हैं,

तो आप नाश हो जाएंगे। हम परसो रात्रि इस बात को देखेंगे, आपको यह दिखाऊंगा कि यह कितना आवश्यक है। लेकिन बिना लहू के आप नाश हो जाएंगे।

अब, जब उसने उस पत्नी को बनाया, वह उसकी सहयोगी थी। यह उसके लिए कुछ तो थी जिससे कि वह प्रेम कर सकता था, वह उसका एक भाग थी।

76 अब ध्यान से सुने। एक पुरुष और स्त्री नया जन्म प्राप्त किए बिना, स्वर्ग में कभी भी नहीं जा सकते हैं। मेरा मतलब ये नहीं है क्योंकि आपने अन्य भाषा में बात की है, मेरा मतलब ये नहीं है क्योंकि यह आपने चिल्लाया है, मेरा मतलब ये नहीं है क्योंकि आपने नाचा है, मेरा मतलब ये नहीं है क्योंकि आप कलीसिया में नियमित रूप से जाते है, अपनी वफादारी के बटन को पहनते है; वे बातें ठीक है, परंतु ये वो बात नहीं है। वहां पर आपके और मसीह के बीच में पूरी तरह से एक एकीकरण का संबंध होना है, जब तक कि आप एक हो जाए। आप एक है! और यदि आप नहीं है, कैसे... ?

77 क्या आप यहां कल्पना कर सकते हैं कि रात्रि में थके मांदे घर पर आते है? यदि आप एक किसान हैं, मिस्त्री है, प्रचारक है, आप जो कोई भी हो, अंदर आते है, जब आप अपने छोटे घर के अंदर जाते हैं, आप लालसा करते है जब तक कि आप वहां पर चले नहीं जाते। आप द्वार को खोलते हैं और सुंदर पत्नी वहां पर खड़ी रहती है, वह आपका अभिवादन करती है। वह अच्छी तरह से सुसज्जित है और साफ़ है। वह चलकर आती है और आपके गाल पर चूमती है, वह कहती है, "पती, आप थके हुए हैं।" वह आपको कुर्सी पर बिठाती है, वह आपकी खुद गोद में लेट जाती है, वह अपने हाथ को आपके चारों ओर डालती है, वह आपको थपथपाती है। जब फिर ऐसा प्रतीत होता है कि आप थके हुए नहीं हैं, कुछ चीज आपको ऊपर उठाती है। यह कुछ ऐसी चीज है जो कि परमेश्वर ने आपको उस उद्देश्य के लिए प्रदान की है। वह अब आपका एक भाग है, यदि वह एक सच्ची पत्नी है।

78 परंतु क्या होता यदि उन होठो ने उस दिन पर या किसी और दिन पर दूसरे व्यक्ति को चुमा होता? क्या होगा यदि आप इस बात से अवगत हो जाए? क्या हो यदि वे हाथ किसी दूसरे व्यक्ति के गले के चारों ओर डाले गए हो? यह आपकी गोद पर पूरी तरह से एक घृणित बात है। यह चूमा

जाना उसी तरह से जलन को पैदा करती है जिस प्रकार से यहूदा के चूमने पर हुआ था। वे हाथ, उसके बजाए ऐसा होता कि वे आपको चारों ओर ना होते। ओह, हो सकता है कि अच्छी तरह से संवरी हो, हो सकता है कि उसके बाल घुंघराले हो, हो सकता है उसकी आंखे भूरी हो, हो सकता है कि उसके गाल गुलाबी हो, हो सकता है कि उसकी छोटी सी स्कर्ट में स्त्री लगी हुई हो, हो सकता है कि वह बहुत सुंदर हो, लेकिन यदि ऐसा वास्तविक निष्कपट भक्तिपूर्ण आदर और प्रेम और विश्वास वहां नहीं है, अच्छा होगा कि वो आपकी गोद से दूर रहें। आप उससे कोई भी लेना देना नहीं रखना चाहते है, वह—वह आपके लिए हानिकारक है। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूं कि वह अपने आप को कितना सुंदर बनाती है, वह फिर भी गलत है जब तक कि वह अपने आप को वास्तविक, सच्ची प्रेमिका के रूप में सिद्ध नहीं कर देती है, आपको छोड़कर किसी और को प्रेम नहीं करती है, उसके होठों ने आपके होठों के सिवाए किसी और के होठ नहीं चूमे है, उसके हाथों ने आपके हाथों के सिवाए किसी और के हाथों को नहीं पकड़ा है, आप इस बात को जानते हैं। क्या ही अनुभूति है, क्या ही सांत्वना है!

79 यही पति और पत्नी है, जो कि मसीह और उसकी कलीसिया की प्रतिछाया है। और जब आप अपनी कलीसिया में जाते हैं, हो सकता है कि आपके पास बैठने के लिए शहर में सबसे अच्छी कुर्सियां हो, हो सकता है कि आपके पास शहर की सबसे ऊंची मीनार हो, हो सकता है कि आपके पास सबसे अच्छा पाईप आर्गन बजाने वाले हो, हो सकता है कि आप सबसे अच्छे वस्त्र पहनते है, हो सकता है कि आप एक नक़लची चिड़िया की तरह से गाते हो, लेकिन उन सभी बातों में, यदि आप संसार को चूम रहे हैं और उसके साथ प्रेम का खिलवाड़ कर रहे हैं, जो मसीह के गाल पर उस यहूदा के चुमने की तरह है। वो आपके साथ कुछ भी लेना देना नहीं रखना चाहता है। वह आपकी विवाह की अंगूठी को देखता है और वह यह पाता है कि पट्टी हटी हुई है, वह यह पाता है कि प्रेम ख़त्म हो चूका है। यह एक भेष को धरना है, वह यह पाता है कि वफादारी ख़त्म हो चूकी है। आपने संसार के साथ व्यभिचार को किया है। आप नृत्यों और बूगी–बूगी पार्टियों में जाते हैं, और उन पुराने गंदे टेलीविजन के कार्यक्रमों को देखते हैं। आप मसीह के साथ व्यभिचार कर रहे हैं, उसके साथ, और उसे अपना पति कहकर बुलाते हैं।

80 बाईबल कहती है, "तू कहता है, 'मैं धनी हूं, मुझे किसी बात की आवश्यकता नहीं है।'" लेकिन उसने कहा, "तू इस बात को नहीं जानता कि कि तू नंगा, अभागा, अंधा और कंगाल है, और इसे जानता तक नहीं है।" यह वो समय है कि हम दीये को जलाए और घर की सफाई करें। प्रभु का आगमन नजदीक है।

आईए इस बात के विषय के ऊपर कुछ मिनटों तक सोचे जबकि हम अपने सिरों को झुकाते हैं। क्या आप ऐसा करेंगे? बहन, क्या आप पियानो पर जाएगी?

81 कलीसिया, तू क्या करती आई है? आज रात्रि तेरी क्या स्थिति है? जब आपके हाथ भक्ति में उठे हुए हैं, वहां कुछ तो है जिसने आपको जांचा रहा है? यदि आप संसार के साथ प्रेम का खिलवाड़ कर रहे हैं, यदि आप उन बातों को कर रहे हैं जो कि गलत है, आपका चूमना...

82 पुरुष लोग, इस बात के विषय में सोचें। श्रीमान, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। यह कुंवारी के लिए है, और श्रीमती के लिए भी है, युवा स्त्री, तुम अपने लड़के मित्र के विषय में क्या सोचोगी, यदि आप उसे बाहर चूमते हुए और दूसरी लड़कियों के साथ बाहर जाते देख ले, और आपकी उसके साथ मंगनी हुई हो, और वह आपके पास आए और आपको आपके हाथ पर थपथपाए, और कहे, "प्रिय, मैं केवल तुमसे प्रेम करता हूं"?

आप कहेंगी, "तुम तुच्छ पाखंडी हो, मेरे सामने से दूर हो जाओ!"

83 आप क्या... ? श्रीमान, इस पर सोचे। हमारी केवल मंगनी ही नहीं हुई है, लेकिन हमारा विवाह हो चुका है। कलीसिया का विवाह मसीह से हुआ है। हम मसीह की पत्नी है, जो कि बच्चों को ला रहे हैं। आप एक रात्रि जब घर आते हैं तो कैसा होगा, अपनी पत्नी के लिए जो आपका समर्पण है, और उसके पास छोटे बच्चों का झुंड है, और उस दिन पर आप पाते हैं... ? और जब वह अंदर आती है, ओह, हो सकता है उसके नाखून रंगे हुए हो (यह तब होता है, यदि आप संसार के लोग हैं)। हो सकता है कि आप... हो सकता है कि वह बहुत ही सुंदर लगती हो, लेकिन आप जानते हैं। भाई, इस पर सोचे, यदि वह स्त्री किसी और पुरुष को चूम रही होती है। यदि वे हाथ जो कि आप के चारों ओर हैं, वो आपको कहती है कि वह आपसे प्रेम करती है, और यह आप जानते हैं कि वह बात... कि वह दूसरों को भी प्रेम करती है, उसका प्रेम सच्चा नहीं है। उसका प्रेम सच्चा नहीं है। ये आपकी

नहीं है, यह दूसरों से भी संबंध रखती है। यदि आपके अलावा कोई और पुरुष भी है, तो आप उसे अपनी गोद से हटा देंगे। इस बात के विषय में सोचे कि वह क्या ही अनुभूति होगी। उसके विषय में सोचे, महिला, यदि आपका पति घर आता है। केवल यही बात नहीं है, अनैतिक कार्यों की बीमारियों को साथ लिए हुए हैं।

84 और, ओह, आपका ह्रदय आशीषित हो, कलीसिया को आत्मिक यौन रोग हो गया है, सभी प्रकार के मत–सिद्धांत और सभी कुछ पाया जाता है। यह गलत बात है! परमेश्वर, दया करे! मित्रों, यीशु आ रहा है। इन रात्रियों में से एक रात्रि में या इन दिनों में एक दिन आपके पास समय नहीं होगा। बेहतर होगा कि आप अभी जांच ले।

आइए प्रार्थना करें:

85 आप में से कितने यह कहते हैं, "भाई ब्रन्हम," सभी अपने सिरों को झुकाए हुए हैं, अपने हाथों को उठाए हुए, "भाई ब्रन्हम, मुझे अपनी प्रार्थना में स्मरण रखें। मैं आज रात्रि आ रहा हूं, मैं यहां पर बस ऐसे ही दिखाने के लिए नहीं आया हूं"? परमेश्वर आपको आशीष दे। बस उन हाथों की ओर देखें। "मैं यहां पर दिखाने के लिए नहीं आया हूं, मैं यहां पर कुछ जानने के लिए करने आया हूं। और मैं यह विश्वास करता हूं कि जब आप प्रचार कर रहे थे तो परमेश्वर ने मुझसे बात की, और मैं इस बात का अहसास करता हूं कि मैं गलत हूं। मैं—मैं एक वास्तविक, सच्चा मसीह बनना चाहता हूं। मैं एक वास्तविक प्रेमी बनना चाहता हूं, कि जब मैं अपने प्रभु के पास जाऊं और अपने घुटनों पर जाऊं, मैं चाहता हूं कि वह मुझे अपनी बाहों में ले ले, कहे, 'ओह, मेरे प्रेमी!'''

86 आप को याद है कि सुलेमान ने किस प्रकार से उसके विषय में कहा था? उसने कहा, "आ, मेरे प्रेमी, आओ हम अनारो में से होते हुए चले, आओ हम मसालों के बगीचे में से होते हुए जाए।" उसने यह किस प्रकार से कहा था कि उसके होंठ गुलाब की कोपलों और इत्यादि के समान थे। वह अपनी पत्नी से कितना प्रेम करता था, कहा, "आओ, अब हम चले और प्रेम से जी बहलाते रहे।"

87 जब आप अपनी वेदी पर प्रार्थना करने के लिए जाते हैं, क्या आपका ह्रदय इतना सच्चा होता है और आपका प्राण इतना मिलावटरहित होता है कि आप कहे, "प्रभु परमेश्वर, आओ हम हमारे प्रेम को ले," और आप कहते

है, "हां, मेरे प्रेमी, मैं आपसे, प्रेम करता हूं"? या, क्या आप व्यभिचार करते फिर रहे हैं? क्या आप आप संसार के साथ प्रेम का खिलवाड़ कर रहे हैं?

88 और प्रभु की घड़ी आ पहुंची है जबकि यह सारे चिन्ह और चमत्कार, जब दस हजारों दूसरी चीजें हैं जो कि घटित हुई है, इशारा कर रही है, हर एक चिन्ह इशारा कर रहा है। ये अंधेरा होता जा रहा है। कलीसिया में ठडापन हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि बेदारी समाप्त हो गई है। अंतिम अंश लगभग समाप्त हो चुका है। और यहां पर हम स्वयं को व्यभिचार में पाते हैं। वह क्या करेगा? वह हमें अपनी गोद से हटा देगा, और कहेगा, "हे कुकर्म करने वाले लोगों, मेरे सामने से दूर हो जाओ।"

89 अब, यदि यहां पर कोई है जो कि चाहता है कि उसे फिर से स्मरण किया जाए, मैं इस मिनट में पूछता सकता हूं, परमेश्वर के समक्ष अपने हाथों को उठाए, कहे, "मैं अब समर्पित करता हूं और कहता हूं, और परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, आज रात्रि से लेकर परमेश्वर की सहायता से मैं एक सच्चे जीवन को व्यतीत करुगा।" परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। और आप भाई, और बहन, आप जो युवा महिला है, आप श्रीमान, आप भाई, आप जो वहां पर है, वहां पर, और आप युवा पुरुष।

90 क्या यहां पर कोई व्यक्ति है जिसका कि कभी उद्धार नहीं हुआ है, और आप कहे, "भाई ब्रन्हम, मुझे स्मरण करें, मैंने कभी भी फिर से जन्म प्राप्त नहीं किया है। मैं जानता हूं कि मैंने नहीं किया है"? सुनिए, आपका तब तक उद्धार नहीं हो सकता है जब तक कि आप फिर से जन्म प्राप्त नहीं कर लेते हैं, आप बस अपने मुख को किसी बात की ओर कर लेते हैं; लेकिन जब आप मसीह को ग्रहण करते हैं आपका फिर से जन्म होता है। आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैंने उस बात को कभी भी ग्रहण नहीं किया है। मैं जानता हूं कि मैं गलत हूं। मैं अब अपने हाथों को उठाता हूं, और कहता हूं, 'आप मुझे भी स्मरण रखें।' मेरा उद्धार कभी भी नहीं हुआ। मैंने—मैंने यहाँ तक कभी भी मसीह की सेवा करने का यत्न नहीं किया, लेकिन मैं अब इसे यत्न करना चाहता हूं। भाई ब्रन्हम मेरे लिए प्रार्थना करें।" क्या आप अपने हाथों को उठाएंगे, अब यहां पर कोई भी हैं? क्या यहां पर एक व्यक्ति हैं जो कि कभी मसीही नहीं बना, क्या आप अपने हाथों को उठाना चाहेंगे,

कहे, "भाई, मुझे प्रार्थना में स्मरण करें"? पुत्र, परमेश्वर आपको आशीष दे। कोई तो और इसे कहे, "भाई मुझे स्मरण करें"? महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। कोई और, "भाई मुझे स्मरण करें, मैं अब प्रभु यीशु पर विश्वास करना चाहता हूं और उसे उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करता हूं"? भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। यह अच्छी बात है।

91 किसी ने एक दिन मेरी आलोचना की, वो कह रहा था, "भाई ब्रन्हम, आप क्यों कहते हैं, 'अपने हाथ को उठाएं'?" सुनना, वहां कोई भी एक अब और वेदी की पुकार में विश्वास नहीं करता है, उसकी तुलना में मैं करता हूं। मैं वेदी पर आने में विश्वास करता हूं, यह अच्छी बात है, लेकिन यह आपका उद्धार नहीं करता है। यह आपकी राय होती है, मसीह के लिए आपको निर्णय लेना होता है। आप कहते हैं, "अच्छा, क्या मैं वेदी पर चल कर जाऊं।" यह अच्छी बात है। लेकिन, भाई, क्या आपने इस बात को महसूस किया कि जब आपने अपने हाथ को उठाया आपने उस हर एक वैज्ञानिक नियम को तोड़ दिया जो वहां होता है? आपके हाथ, प्रकृति के द्वारा, गुरुत्वाकर्षण के द्वारा नीचे की ओर लटकना चाहिए। यदि आप अपने हाथ को ऊपर उठाते हैं तो यह इस बात को दिखाता है कि आपके अंदर एक अलौकिक जीव है जो कि प्रकृति के नियमों को चुनौती दे सकता है, अपने हाथ को अपने सृष्टिकर्ता की ओर उठाने के लिए, किसी चीज ने आपके ह्रदय में निर्णय को लिया है। परमेश्वर आपको हाथ उठाते हुए देखता है ठीक उसी प्रकार से जैसे कि वह आपको वेदी पर देखता है। यह बिल्कुल ठीक बात है। यदि आपके लिए यह बात महत्त्व रखती है, तो परमेश्वर के लिए भी रखती है। परंतु दोस्तों, देखो, आप आधे रास्ते में नहीं हो सकते हैं, आपको इसे महत्व देना है।

अब आइए प्रार्थना करें:

92 धन्य स्वर्गीय पिता, आज रात्रि इस बेदारी के आरंभ में, जैसे कि हमारा समय निकलता जा रहा है, और थोड़ा कुछ बीत चूका है, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप इन लोगों के लिए दयावंत होंगे। और सर्वशक्तिमान परमेश्वर, इस बात को प्रदान करें कि... यहां आज रात्रि कम से कम बीस हाथ इस भवन में ऊपर गए हैं, जिनको मसीह की आवश्यकता है। ओह परमेश्वर, ये इनके प्राण है। वो आत्मा, तेल लगभग बस जल गया है। अब यह और अधिक ना रहेगा। जब उस बाल्टी से या बर्तन से वह अंतिम बूंद

निकल जाएगी, तब दिए में डालने के लिए तेल और अधिक ना रहेगा। वे इस बात को महसूस करते हैं कि वे अंतिम दिनों में है। इस धरती पर मसीह के अलावा कोई और आशा बाकी नहीं रह गई है। प्रभु, आज रात्रि मैं प्रार्थना करता हूं, कि किसी भी तरह से इस घड़ी की सत्यनिष्ठा में, सत्यनिष्ठावान, कि आप अब पवित्र आत्मा को भेजेंगे जिसने कि उनके हाथों को ऊपर की ओर करवाया है, और उन्हें पापमय जीवन से बचाएगा। पिता, इसे प्रदान करें।

93 और होने पाए कि इससे पहले यह सभा समाप्त हो, होने पाए कि पूर्ण तौर से उनमें से दर्जनों, बहुतेरे पवित्र आत्मा के साथ चिल्ला उठेंगे। होने पाए कि इस बपतिस्मा देने का स्थान में, बस एक के बाद एक प्रभु यीशु मसीह के बहुमूल्य नाम में बपतिस्मा लेने पाए, ईस्टर की सुबह को, नए जीवन के साथ ऊपर आए। हे अनंत धन्य पिता, मैं यह प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें आशीष देंगे। प्रभु, इसे प्रदान करें। और अब, ठीक इसी घड़ी, होने पाए कि उनका निर्णय सच्चा हो, होने पाए कि वे आपको ग्रहण करे ठीक जहां पर वे बैठे हैं। हमारी वेदियां और उसके इर्द–गिर्द लोगों से भरी हुई है, और हम यह प्रार्थना करते हैं कि इस रात्रि से आप इन लोगों को अपना सेवक होने देंगे। मसीह के नाम में।

94 जबकि हमारे सिर झुके हुए हैं, मैं आपसे एक महत्वपूर्ण प्रश्न पूछना चाहता हूं। आप जिन्होंने अपने हाथों को उठाया और आप जो कि प्रार्थना कर रहे थे, मैं जानता हूं कि आपने अपना हाथ इसलिए नहीं उठाया है बस ऐसे दिखने के लिए कि आपका हाथ ऊपर उठा हुआ है। आपने इसे उठाया क्योंकि किसी ने तो आपको ऐसा करने के लिए बोला। और आप अपने उठे हुए हाथ के साथ कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं इस सभा और परमेश्वर के समक्ष यह विश्वास करता हूं, मैं यह विश्वास करता हूं कि मेरे ह्रदय में आज रात्रि कुछ तो हुआ है, कि इस रात्रि से लेकर मैं एक भिन्न व्यक्ति बनने जा रहा हूं।" क्या आप जिन्होंने अपने हाथों को उठाया था, वे अपने हाथों को उठाएंगे, कहे, "मैं विश्वास करता हूं"? परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको, आपको, आपको, आपको, आशीष दे। यह अद्भुत बात है। वहां पीछे की ओर, हाँ, प्रभु आपको आशीष दे।

95 कोई तो और अपने हाथ को उठाये, कहे, "मैं ठीक अभी विश्वास करता हूं"? भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। "प्रभु मुझे आज रात्रि बता

रहा है... " महिला, वहां पीछे, परमेश्वर आपको आशीष दे। युवा महिला जो वहां पर है, परमेश्वर आपको आशीष दे। "प्रभु मुझे अभी यह बता रहा है कि मेरे ह्रदय में कुछ तो घटित हुआ है, और मैं यह विश्वास करता हूं कि मेरे पास इस बेदारी से, उन सभी आनंद की तुलना में जो मुझे जीवन में कभी मिले हैं, उससे ज्यादा आनंद मिला है।" परमेश्वर आपको आशीष दे। तो ठीक है, महिला जो यहां पर बैठी हुई है, परमेश्वर आपको आशीष दे। मैंने सोचा कि आपके लिए भी हाथ उठाने को समय लगभग अब बस हो चूका था। क्या कोई और है, जो कि कहे, "भाई ब्रन्हम, मुझे एक भिन्न अनुभूति हो रही है, मैं विश्वास करता हूं कि मैं इस कलीसिया से बाहर इस बात की समझ के साथ जाऊंगा कि मसीह जल्द आने वाले हैं। मैं यहां से बाहर एक भिन्न जीवन को जीने जा रहा हूं। परमेश्वर के अनुग्रह से मैं एक मसीही होने जा रहा हूं। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर ने मुझे बुलाया है"?

96 और यदि उसने आपको बुलाया है, तो आप उसके ही है। प्रेम का खिलवाड़ करना छोड़ दें, संसार के साथ प्रेम का खिलवाड़ करना छोड़ दें! अब आऊ, उसके लिए जीवन को जीये। कहे, "मैं अपने सब पापों से पश्चाताप करूंगा, और अब मैं मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ले रहा हूं।" समाप्त करने से पहले क्या कोई और है? क्या कोई है? भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह अच्छी बात है। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह अच्छी बात है। आपको ऐसा करते देख बहुत आनंदित हूं। तो ठीक है।

97 रात्रि का आरंभ अब हो चूका है, यह छोटा सा... हम इसमें बहुत अधिक जोर नहीं डालना चाहते हैं, हम जल्दी छोड़ना चाहते हैं जिससे कि आप कल रात्रि वापस आ सके।

98 इससे पहले कि हम समाप्त करें, क्या कोई बिमार व्यक्ति है जो अपने हाथ को उठाएगा, कहे, "भाई ब्रन्हम मेरे लिए प्रार्थना करें"? तो ठीक है, वहां पर पांच, छह, सात, आठ, नौ, दस हाथ हैं, ग्यारह, बारह, तो ठीक है, अब तेरह, चौदह, तो ठीक है पन्द्रह।

आईए हम अब झुके:

99 धन्य स्वर्गीय पिता, आपने उन हाथों को देखा है। और, ओह, वे यहां पर किसी उद्देश्य के लिए उपस्थित है। हो सकता है वे मसीही है, लेकिन

उन्हें आपकी ज्यादा सहायता की आवश्यकता है। और प्रभु, हम इस बात का महसूस करते हैं, कि आप दाऊद में से होकर चिल्लाए थे, कहा था, "वही है जो हमारे सब पापों को क्षमा करता है, वही है जो हमारी सब बिमारियों को चंगा करता है, उसके उपकारों को ना भूलना।" मैं प्रार्थना करता हूं कि मसीह का लहू उनके ऊपर बहुमूल्य रूप से आ ठहरेगा और वे इस आने वाली सभा का आनंद लेने के लिए चंगे हो जाएंगे। इसे प्रदान करें, प्रभु। मसीह के नाम में हम मांगते हैं। आमीन।

आईए अब हम खड़े हो जाए, *यीशु का नाम अपने साथ ले:*

ओह, यीशु का नाम अपने साथ ले लो,
वह बालक... (आईए हम यहाँ–वहां मुडे, अपने पास में हर एक जन के साथ हाथ को मिलाए। ठीक यहाँ–वहां मुड़कर उनसे हाथ को मिलाए।)
यह आपको आनंद और सांत्वना देगा,
अब जहां कहीं पर भी आप जाएं उसे अपने साथ ले जाए।

बहुमूल्य नाम (बहुमूल्य नाम), ओह कितना मधुर!
धरती पर की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम (बहुमूल्य नाम), ओह कितना मधुर!
धरती पर की आशा और स्वर्ग का आनंद।

अब आईए अब हम धीरे से, जबकि हमारा मुंह इस ओर है, धीमे से गाए:

यीशु के नाम पर हम झुकते हैं,
उसके पैरों पर दंडवत करते हुए,
राजाओं के राजा करके हम स्वर्ग में उसकी ताजपोषी करेंगे,
ओह, जब हमारी यात्रा पूरी होगी।

बहुमूल्य नाम (ये धन्य है), ओह कितना मधुर!
पृथ्वी पर की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम (बहुमूल्य नाम), ओह कितना मधुर!
धरती पर की आशा और स्वर्ग का आनंद।

100 अब, नौ से ज्यादा हो चूका हैं, लगभग नौ बजकर सात या आठ मिनट हो चूके हैं। आप घर जल्दी जाए, कल रात्रि वापस आए और हम परमेश्वर की आशीषो का आनंद लेंगे, आपकी उपस्थिति का आनंद लेगे। और अब मैंने ध्यान दिया आज रात्रि लगभग बारह या चौदह हाथों को चंगाई के लिए उठा देखा था। यदि बहुत से बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करनी है, तो हम बस एक रात्रि चंगाई सभा को करेंगे, हो सकता है शनिवार रात्रि और रविवार को भी। यदि हम इस बात को देखेंगे कि रविवार को यह पूरे नहीं हो सकते हैं, हम शनिवार रात्रि को लेंगे। हम देखेंगे कि किस प्रकार से यह होना था।

101 अब मैं—मैं यह प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर की आशीषे गहराई से आप में से हर एक के ऊपर ठहरेगी, और होने पाए कि वह आपके साथ हो और आपको आशीष दे जब तक कि हमारी मुलाकात कल रात्रि फिर से नहीं हो जाती है।

102 आईए, प्रार्थना के क्षणो के लिए बस अपने सिरों को झुकाए, जबकि मैं पास्टर से आग्रह करता हूं कि वह यहां पर आए और प्रार्थना के कुछ शब्दों के साथ समाप्त करें।

57–0417 प्रभु का दूसरा आगमन
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ़्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org